सदर अस्पताल परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सभागार में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मायानंद ने मैथिली मंच को फूहड़ता से बचा साहित्यिक गरिमा प्रदान की : डॉ महेंद्र

- कार्यक्रम की शुरुआत में साहित्य अकादमी के मैथिली परामर्श मंडल के सम्मानित सदस्य डॉ सुभाष चंद्र यादव ने मायानंद मिश्र व डॉ महेंद्र का दिया संक्षिप्त परिचय

प्रतिनिधि, सुपौल

बैठक मे मौजूद कवि व अन्य.

मायानंद मिश्र मैथिली साहित्य एवं मैथिली मंच के ऐसे ध्रुवतारा हैं, जिनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व आज भी मंच एवं साहित्य की दुनिया को दिशा दिखा रहा है.

उन्होंने जहां साहित्य को मंच जैसी लोकप्रियता दिलाई, वहीं मैथिली मंच को फूहड़ता से बचाकर साहित्यिक गरिमा प्रदान की. उक्त बातें कवि आलोचक डॉ महेंद्र ने कही. सदर अस्पताल परिसर स्थित इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के सभागार में साहित्य अकादेमी, दिल्ली एवं किसुन संकल्प लोक सुपौल के संयुक्त तत्वावधान में मैथिली के मूर्धन्य साहित्यकार, गीतकार, उपन्यासकार मायानंद मिश्र के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर हमरा वातायन सं कार्यक्रम के तहत व्याख्यान किया गया. डॉ महेंद्र ने कहा कि मायानंद मिश्र के साथ उनका बहुत पुराना संबंध था, और दशकों तक उनका सान्निध्य उन्हें मिलता रहा.

मायानंद मिश्र का व्यक्तित्व बहुआयामी था. मैथिली कथा के क्षेत्र में ललित, राजकमल और मायानंद की जोड़ी त्रिपुंड नाम से लोकप्रिय हुई. मैथिली कविता के क्षेत्र में उन्होंने अभिव्यंजनावाद का आंदोलन शुरू किया और अभिव्यंजना नामक पत्रिका का संपादन किया. मैथिली मंच के तो वह सुपरस्टार थे और देश भर में जहां कहीं भी विद्यापति समारोह होता था, वहां आयोजक अपने कार्यक्रम की सफलता की गारंटी के लिए मायानंद मिश्र को आमंत्रित करते ही थे.

कार्यक्रम की शुरुआत में साहित्य अकादेमी के मैथिली परामर्श मंडल के सम्मानित सदस्य डॉ सुभाष चंद्र यादव ने मायानंद मिश्र एवं डॉ महेंद्र का संक्षिप्त परिचय दिया. इस अवसर पर साहित्य अकादेमी मैथिली परामर्श मंडल के सदस्य एवं कवि-आलोचक डॉ तारानंद वियोगी ने भी मायानन्द मिश्र के याद करते हुए अपना विचार रखा. मौके पर अरविंद ठाकुर, गौरीनाथ, किसलय कृष्ण, कुमार विक्रमादित्य, रामकुमार चौधरी, आशीष चमन, तारानन्द झा तरूण, सतंजीव सुमन, रजनीश राजन, दीपिका चंद्रा, संजीव कश्यप सहित अन्य साहित्यकार मौजूद थे.

कार्यक्रम के अंत में किसुन संकल्प लोक की ओर से मैथिली साहित्यकार एवं संपादक केदार कानन ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

युवा कवि विक्रमादित्य के दीर्घ कविता संग्रह धुंध का हुआ लोकार्पण

प्रतिनिधि, सुपौल

सदर अस्पताल स्थित रेडक्रास सोसाइटी भवन के सभागार मे युवा कवि कुमार विक्रमादित्य के दीर्घकविता संग्रह धुंध का लोकार्पण किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि-आलोचक डॉ तारानंद वियोगी ने की. डॉ तारानंद वियोगी ने कहा कि हालांकि मैथिली मे दीर्घ कविता लिखने की परंपरा बहुत ज्यादा नही रही है, लेकिन इससे पहले भी कई कवियों ने मैथिली मे शानदार दीर्घकविताएं लिखी हैं. उन्होंने कहा कि इस प्रसंग मे राजकमल चौधरी सहज ही याद आते है और उनकी दीर्घ कविता मुक्ति प्रसंग की प्रश्नाकुलता एवं बेचैनी याद आती है. युवा कवि कुमार विक्रमादित्य की कविताओं को पढते हुए भी वही प्रश्नाकुलता एवं बेचैनी नजर आती है. युवा कवि विक्रमादित्य को इस संग्रह के लिए मैं बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह इसीतरह निरंतर आम जन के जीवन के प्रति सरोकार रखते हुए व्यवस्था की जड़ता पर सवाल उठाते रहेंगे. वरिष्ठ साहित्यकार केदार कानन ने कहा कि आज के इस विकल समय मे जब संपूर्ण परिवेश पर छल-छद्म और झूठ का धुंध पसरा हुआ है, विक्रमादित्य की कविता आम लोगों के लिए उम्मीद की रोशन के लिए व्यग्र और उत्साहित है. उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य की यह कविता जिंदगी की भयावहता से मुठभेड़ करती है और संतुलित जीवन को दिशा भी देती है. अतिका प्रकाशन के संपादक एवं सुपरिचित साहित्यकार गौरीनाथ ने कहा कि विक्रमादित्य की रचनात्मक बेचैनी प्रभावित करती है और भविष्य के लिए आश्वस्त करती है कि उनकी कविता का और भी सजग एवं प्रखर रूप देखने को मिलेगा और मैथिली कविता वह महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे. लेखक संपादक गौरीनाथ ने कुमार विक्रमादित्य के काव्यलेखन की विकासयात्रा को रेखांकित किया. युवा कवि एवं गीतकार किसलय कृष्ण ने कहा कि कुमार विक्रमादित्य ने इस कविता में जितने सांद्र रूप मे सामाजिक विद्रूपता और व्यवस्था की जड़ता को उजागर किया है, वह इनके रचनात्मक कौशल को ही दर्शाता है. इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार अरविंद ठाकुर, रामकुमार चौधरी, कल्याणी स्वरूप, कौशल कुमार, आमरेन्द्र कुमार अमर, आशीष चमन, दीपिका चंद्रा आदि मौजूद थे.

कविता संग्रह का लोकार्पण करते कवि व अन्य.

प्रभात खबर
Saturday, June 1, 2024
Supaul
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/665a86e8d7c0831f7c07a074